>

Title: Issue regarding BPL Cards in the country.

श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने इतने महत्वपूर्ण सवाल पर मुझे बोलने की अनुज्ञा दी है। पूरे सदन में एक बार नहीं, अनेक बार इस पर चर्चा हुयी। कई माननीय सदस्यों ने इस महत्वपूर्ण सवाल को उठाया। यूपीए वन की सरकार से यूपीए टू की सरकार आ गयी, लेकिन आज तक तय नहीं हो पाया कि बीपीएल कार्डधारक कितने होने चाहिए? यह सवाल बार-बार उठता है। मुझे तब ताज्जुब हुआ, जब वाइस चेयरमैन प्लानिंग कमीशन आहलूवालिया जी ने कहा कि 22 रूपए गांव में और 26 रूपए शहर में जो मजदूरी पाएगा, वह गरीबी रेखा के नीचे नहीं रहेगा। मान्यवर, 22 या 26 रूपए में एक वक्त का भोजन नहीं हो सकता है। यह आपने कैसे मान लिया कि ये गरीबी रेखा के नीचे नहीं आएंगे? उस दिन मुलायम सिंह यादव जी बोल रहे थे, उन्होंने कहा कि देश में साठ फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। अर्जुन सेन कमीशन ने कहा कि अस्सी फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं, तेंदुलकर कमेटी ने कहा कि 28 फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं, सक्सेना कमेटी ने कहा कि पचास फीसदी लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं। मैं सदन से मांग करता हूं कि यह मामला अब लंबित न किया जाए। अनाज सड़ रहा है, उसे रखने की जगह नहीं है और आप केवल 28 फीसदी लोगों को बीपीएल कार्डधारक मान रहे हैं। मैं आज सदन में मांग करूंगा कि यहां बैठे हुए जो बड़े-बड़े भिज्ञ लोग हैं, उनसे इसे न बनवाकर मेंबर आफ पार्लियामेंट, एमएलए और ब्लॉक प्रमुख लोगों से बीपीएल कार्डधारकों की लिस्ट ली जाए, जिस तरह से निगरानी कमेटी के द्वारा होता है और इसको बिना विलंब तय कर देना चाहिए। अभी पूरे देश में मात्र सवा छः करोड़ लोगों को बीपीएल कार्ड दिए गए हैं।

अध्यक्ष महोदया : अपनी बात समाप्त करिए।

श्री रेवती रमण सिंह: मान्यवर, सक्सेना कमेटी ने कहा था कि देश में ग्यारह करोड़ बीपीएल काड्र्स होने चाहिए। जो मुलायम सिंह जी ने कहा था कि कम से कम साठ फीसदी गरीबों को बीपीएल कार्ड बनाकर देना चाहिए और तत्काल देना चाहिए, मैं आपसे मांग करता हूं।

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned for Lunch to meet again at 2 p.m.

13.14 hrs

The Lok Sabha then adjourned for Lunch till Fourteen of the Clock.